

Publication	The Hindu
Language/Frequency	English/Daily
Tonality	Positive
Page No	01
Date	11 th April 2019

CBSE's bid to make learning joyful and innovative

New method to integrate art with the teaching and learning of subjects from Classes I to XII

STAFF REPORTER
NEW DELHI

The CBSE on Wednesday announced that it would be integrating art with the teaching and learning process of all academic subjects from Classes I to XII and has intimated all schools to follow guidelines that it has issued.

“In a bid to promote active and experiential learning and to inculcate an

appreciation of the vast diversity in the Indian art forms, beginning with the new academic session,” the CBSE said. It said that the watertight compartmentalisation of subjects provides fragmented knowledge rather than interrelated and integrated whole and as a result, knowledge gets divided in boundaries in the school and outside. “In the

present system, information takes precedence over knowledge, lending itself to producing bulky textbooks, ‘quizzing’ and methods of mechanical retrieval rather than understanding and problem solving,” the CBSE said.

Appreciating rich art

“The new method of integrating art would make learning joyful and

innovative. Art-integrated learning makes classroom transactions joyful and creative and also promotes the appreciation of our rich art and cultural heritage,” the CBSE said.

Giving examples, the CBSE said that notes in Hindustani classical music can be aligned with the teaching of fractions in mathematics, *Nukkad Natak* could be used to depict

mitosis/meiosis, reactions and compounds in chemistry by each child becoming the element/compound of his/her choice and then trying to mingle or not to mingle (attract or repulse) with other compounds in the class.

The Board said that it held discussions with several stakeholders and came up on how to integrate art with education.

Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Tonality	Positive
Page No	01
Date	11 th April 2019

मेसेज से मिलेगी सेंटर और रिजल्ट की जानकारी ईडब्ल्यूएस एडमिशन के लिए बने नए नियम

■ एनबीटी न्यूज, गुड़गांव

ईडब्ल्यूएस एडमिशन में 14 अप्रैल को टेस्ट होना है और 18 अप्रैल को परिणाम जारी किया जाएगा। इस बार रिजल्ट जानने के लिए अभिभावकों को शिक्षा कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने होंगे। जिन छात्रों के नाम फाइनल सूची में शामिल किए जाएंगे, उन्हें शिक्षा निदेशालय की ओर से मेसेज भेजा जाएगा। इसमें रोल नंबर, परीक्षा केंद्र सहित जानकारी अभिभावकों को उनके मोबाइल नंबर पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह मोबाइल नंबर अभिभावकों से ऑनलाइन आवेदन के दौरान मांगे गए हैं। जानकारी के बाद सिर्फ वे अभिभावक ही अलॉटमेंट लेटर लेने पहुंचेंगे, जिनके बच्चों के नाम फाइनल लिस्ट में शामिल होंगे। गुरुवार को एडमिशन का आखिरी दिन है।

इस बार ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया और सेंटरलाइज्ड सिस्टम शुरू करने से ब्लॉक स्तर पर कर्मचारियों का बोझ घट जाएगा। क्योंकि पहले ब्लॉक स्तर पर परिणाम तैयार होता था। ब्लॉक स्तर पर ही आवेदन फार्म



राहत

- अभिभावकों को नहीं काटने होंगे कार्यालय के चक्कर
- 12 अप्रैल को आवेदकों की सूची जारी की जाएगी



गुरुवार रात 12 बजे तक अभिभावक

ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 12 अप्रैल को सूची जारी की जाएगी। -सुशील कुमार, ब्लॉक मौलिक शिक्षा अधिकारी

स्वीकार किए जाते थे।

बिना एनरोलमेंट नंबर वाले छात्रों के फॉर्म होंगे रिजेक्ट

ब्लॉक मौलिक शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि गुरुवार रात 12 बजे तक अभिभावक एडमिशन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद 12 अप्रैल को आवेदकों की सूची जारी की जाएगी। इसके तहत उन छात्रों के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे, जिनके नियम के अनुसार डॉक्युमेंट्स पूरे नहीं हैं।